पंजीयन क्रं. 06/09/01/04737/04

विचार मासिक पत्रिका

कुल पृष्ठ 24, वर्ष 3, अंक 32 माह - नवंबर 2021, मूल्य - निःशुल्क

आपके विकास को समर्पित

॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

जवाहरगंज वार्ड (कटरा) स्थित विचार स्वदेशी उत्पाद केंद्र में गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का स्टॉल

पदाधिकारी

कपिल मलैया
संस्थापक व अध्यक्ष
मो. 9009780020

सुनीता जैन
कार्यकारी अध्यक्ष
मो. 9893800638

सौरभ रांधेलिया
उपाध्यक्ष
मो. 8462880439

आकांक्षा मलैया
सचिव
मो. 9165422888

विनय मलैया
कोषाध्यक्ष, मो. 9826023692

नितिन पटैरिया
मुख्य संगठक, मो. 9009780042

अखिलेश समैया
मीडिया प्रभारी, मो. 9302556222

हरगोविंद विश्व
मार्गदर्शक

राजेश सिंघई
मार्गदर्शक

श्रीयॉश जैन
मार्गदर्शक

गुलझारीलाल जैन
मार्गदर्शक

प्रदीप रांधेलिया
मार्गदर्शक

अंशुल भार्गव
मार्गदर्शक

विचार समिति का मासिक प्रकाशन

विचार मासिक पत्रिका

वर्ष - 3, अंक - 32, नवंबर - 2021

संपादक

आकांक्षा मलैया

प्रबंधक व प्रकाशक

विचार समिति

स्वामित्व

विचार समिति

258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड,
आदिनाथ कार्स प्रा. लिमि.
के पीछे, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002
Email: sanstha.vichar@gmail.com
Phone: 9575737475
07582-224488

मुद्रण

तरूण कुमार सिंघई, अरिहंत ऑफसेट
पारस कोल्ड स्टोरेज, बताशा गली,
रामपुरा वार्ड, सागर (म.प्र.)
पिन - 470002

इस अंक में

आलेख :-

1. आइये लौटें स्वदेशी की तरफ 4
2. गाय और भारतीय संस्कृति का आधार 5

विचार समिति की गतिविधियां :-

1. विचार समिति द्वारा गोमय पूजन किट का प्रचार प्रसार 7
2. गोबर से निर्मित पूजन सामग्री के प्रचार-प्रसार की झलकियां 9
3. क्रेताओं के अनुभव 12
4. पूजन सामग्री का ऑनलाइन पोर्टल शॉप 13
5. अपील : गोबर से निर्मित पूजन सामग्री को अधिक से अधिक घरों में उपयोग करें : नितिन पटैरिया 14
6. यूपीईएस यूनिवर्सिटी देहरादून में गोमय पूजन किट की प्रदर्शनी 17
7. पिंक बाजार में स्थानीय स्वदेशी वस्तुओं को आगे लाने का अच्छा अवसर : सुनीता अरिहंत 18
8. विचार समिति ने शहर में खुशहाली के लिए लगाए 16 कल्पवृक्ष 20

मीडिया कवरेज :-

मीडिया कवरेज 22

आइये लौटें स्वदेशी की तरफ

कपिल मलैया
संस्थापक अध्यक्ष
विचार समिति

प्रिय मित्रों,

आज सारे समझदार लोग इस प्रयास में हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस तरह का रोजगार दिया जा सके जिससे वे अपना जीवन यापन कर सकें साथ ही पर्यावरण को नुकसान भी न हो।

गाय के गोबर से निर्मित दिये व अन्य सामग्री इसी तरह का रोजगार है। जब यह दिये निर्धन महिलाओं के हाथों से बनते हैं तो उन्हें रोजगार मिल जाता है एवं इन दीपों को बनाने व जलाने की प्रक्रिया में पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होता बल्कि वातावरण को फायदा होता है। इन दीपों को जब उपयोग पश्चात मिट्टी में विसर्जित किया जाता है तो यह खाद का कार्य करते हैं।

आमतौर पर गोबर के दिये आग पकड़ लेते है व जल जाते हैं। विचार समिति द्वारा देश भर के कई विशेषज्ञों से संपर्क कर एवं प्रयोग करके ऐसे दिये बनाए गए हैं जो 99 प्रतिशत तक सुरक्षित हैं एवं आग पकड़ कर जलते नहीं हैं साथ ही तेल भी नहीं पीते हैं। यह दीपक एक से अधिक बार उपयोग किया जा सकता हैं एवं एक बार तेल भरकर जलाने पर 40 से 50 मिनट तक जलता है। जब भी आपको लगता है कि अब यह दीपक अलग करना है तो इसे मिट्टी में मिला दीजिए यह शुद्ध गोबर खाद का कार्य करेगा।

इस प्रकार गाय के गोबर से अन्य पूजन सामग्री भी बनाई गई है जैसे ओम, श्री, स्वास्तिक, पान पत्ता, शुभ-लाभ, मोर पंख, माता लक्ष्मीजी एवं श्रीगणेश जी की प्रतीकात्मक मूर्तियां, समरानी कप (धूप) आदि। इस वर्ष आपकी समिति द्वारा दो से ढाई लाख तक दीप लागत मूल्य पर बहुत कम न्योछावर राशि में वितरित किए गए हैं। यह दीपक देश के 56 से ज्यादा शहरों में व 9 राज्यों में दिये गये हैं। सभी ने पूजन सामग्री की सराहना की है। इस प्रक्रिया में स्व सहायता समूह एवं विचार मोहल्ला परिवार की महिलाओं को पारिश्रमिक के रूप में लगभग 3.5 लाख रुपये वितरित किए गए हैं।

मैंने स्वयं एक दीपक को 18 बार उपयोग कर लिया है एवं अभी भी यह दीप चल रहा है। कहावत है 'गोमय वसते लक्ष्मी' अर्थात गोबर में लक्ष्मी का वास है।

अत: कई लोग जो इन उत्पादों का उपयोग कर रहे हैं या निर्माण व वितरण में जुटे हैं वे गौ माता एवं लक्ष्मी जी की कृपा अपने ऊपर अनुभव कर रहे हैं।

यदि हमें भारत को संपन्न व खुशहाल देश बनाना है तो गाय के गोबर को वैकल्पिक उपयोग के रोजगार ढूँढ़ने ही होंगे। इसी सोच के साथ यह एक सफल प्रयास है। आप सबके सहयोग व आशीर्वाद से अगले वर्ष आपकी समिति 25 लाख से अधिक दिये बेचेगी ऐसा संकल्प है। प्रभु कृपा से 5 लाख दीपकों का एडवांस आर्डर इंदौर शहर से प्राप्त हो चुका हैं। आईये मिलकर समृद्ध खुशहाल भारत बनायें। **आप सभी को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं**

गाय और भारतीय संस्कृति का आधार

– माधव यादव
छात्र, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

मानवता ने जब भी चेतना को पाया, उसने सर्वप्रथम मातृरूपेण को ही देखा इसी कारण भारत में ऋषियों ने गौ माता, गंगा माता, धरती माता को समान रुप में प्रथम पूजनीय घोषित किया। पौराणिक कथा अनुसार जब धरती पर विपत्ति आती है यह धरती गाय का स्वरूप धारण करती है परमपिता परमेश्वर के बाद अपनी विपत्ति के निवारण के लिए गाय माता की पूजा अर्चना की जाती है। भारतीय समाज में विश्वास है कि गाय देवत्व और प्रकृति की प्रतिनिधि है इसलिए इसकी रक्षा और पूजन श्रेष्ठ माना जाता है।

हमारे प्राचीन ग्रंथों में गाय माता को भारतीय संस्कृति का प्रतीक माना गया है। गाय को कपिला, पदमा, गौरी, धेनु, भद्रा, सुरभि आदि अनेक नामों से जाना जाता है। गौ पालन से ही इस देश के निवासियों का जीवन व्यतीत होता था इसी कारण गौवंश संरक्षण जीवन का लक्ष्य था। गौवंश संवर्धन करना प्रत्येक भारतीय अपने जीवन का कल्याण समझता था। भारतीय संस्कृति के मूल रूप में गौमाता रही है इसके बिना भारतीय तथा भारतीयता का कोई अर्थ नहीं रह जाता।

आज जिसे हम आधुनिक समाज या परिवेश कहते हैं क्या हम सभी ने विचार किया है कि इस आधुनिक शब्द ने न जाने हम से हमारी संवेदनाएं को कितनी हानि पहुंचाई है? मैं यह नहीं कह रहा कि आप आधुनिक न रहें लेकिन आधुनिकता के साथ हमें हमारी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, हमारी गौरवमई संस्कृति के साथ जीवन में सामंज्य बनाते हुए सच्चे अर्थों में जीवन को जीयें।

मैं अगर मनुष्य की बात करूं तो हम इतने स्वार्थी कब बन गए कि कोई एक्सीडेंट होता है तो सबसे पहले हम वहां से भागना चाहते हैं न की मदद करना, हमने मनुष्यता को इस कदर मिटाया है कि आज हम जानवरों पर विश्वास कर सकते हैं लेकिन मनुष्यों पर नहीं। एक छोटा सा उदाहरण प्रस्तुत करूं तो हम पैसों को कुत्ते के सामने छोड़कर तो जा सकते हैं पर शायद कोई सगे संबंधियों के ऊपर यह विश्वास नहीं रहा।

मेरा उद्देश्य आपकी भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं है लेकिन हां यह जरूर बताना चाहूंगा कि हमें मानवता के साथ प्रकृति के अनुरूप संतुलित होकर जीवन यापन करना चाहिए।

हमेशा मौलिक कार्य में नि:स्वार्थ भाव से सहयोग करें। इस धरा पर बहुत कम व्यक्ति होते हैं जो स्वयं के अलावा दूसरों के जीवन में खुशियां लाना चाहते हैं।

एक प्रश्न खुद से पूछें, क्या मैं सही हूं ? कहीं में जीवित होते हुए भी मृत तो नहीं, मृत होने का तात्पर्य किसी के दुख में खुश होना, हमेशा नीचे गिराना, बुरा करना मदद न करना कुछ भी मौलिक न करना।

मानवता वही है जहां आप भूखे को देख उसे अपना भोजन खिला दें। हमारी संस्कृति सदैव से ही त्याग, प्रेम, सत्य, परिश्रम पर आधारित रही है। हम भगवान राम के जीवन को ही देख लें। पिता के वचनों के लिए राजपाट त्याग दिया, दूसरी तरफ लक्ष्मण ने भाई के लिए 14 वर्ष का वनवास स्वीकार किया, तीसरे भाई ने राम की चरणपादुकाओं के सहारे वन जैसा ही जीवन व्यतीत किया और राम ने प्रजा के लिए पत्नी का त्याग कर दिया। पूरी रामायण त्याग आधारित काव्य है। हम अपने को समझें और उसे अपने जीवन में अपनाएं।

मैं बाजारवाद को दोषी नहीं मानता क्योंकि ईश्वर ने प्रत्येक मनुष्य को बुद्धि, विवेक, इंद्रीय केंद्र समान रूप से दिए हैं। उसे अच्छा एवं बुरा देखने, सुनने, बोलने के समान उपकरण दिए हैं। फिर भी हम लगातार एक ऐसी खाई खोदते जाते हैं जिसमें मानवता का समाप्त होना हम कभी समझ ही नहीं पाते ।

अंत में यही कहूंगा कि मनुष्य को मानवता के साथ समस्त जीवों के प्रति करुणा भाव के साथ प्राकृतिक रूप से रहना चाहिए।

गाय में मनुष्य की जैसी ही संवेदनाएं होती हैं। यह गौ पालन करने वाले लोग अच्छे से महसूस कर सकते हैं साथ ही आज के व्यवसायिक दौर में गाय सहयोगी है।

यह मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि शहर में विचार समिति पर्यावरण, शिक्षा, रोजगार के क्षेत्र में काफी अच्छा नेक कार्य कर रही है एवं गोबर से दीए बनाने के प्रोजेक्ट में गौ संरक्षण एवं गौ संवर्धन को काफी बढ़ावा मिलेगा।

आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों को स्वरोजगार की दिशा में स्थानीय स्तर पर जोड़ने का कार्य किया। निश्चित तौर पर सभी बधाई के पात्र हैं। मेरी ओर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं ।

विचार समिति द्वारा गोमय पूजन किट का प्रचार प्रसार

विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया व मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने शहर की प्रतिष्ठित स्थानों में जाकर पूजन सामग्री का प्रचार-प्रसार किया।

विचार समिति लगातार 17 वर्षों से सागर सुधार-सागर विकास पर कार्य कर रही है। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया का उद्देश्य है उन परिवारों के जीवन में बदलाव लाएं जो कहीं न कहीं आर्थिक रूप से पिछड़ रहे हैं। उन्हें इस विकास की दिशा में साथ में शामिल करें। विचार समिति विकास की दिशा में इन योजनाओं पर कार्य कर रही है जिनमें शिक्षा, रोजगार, पर्यावरण, स्वास्थ्य आदि पर विस्तृत रूप से कार्य कर रही है। रोजगार के क्षेत्र में वर्तमान में मोहल्ला विकास योजना से जुड़ी महिलाएं एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा 5,00,000 गोबर से निर्मित दिये, गणेश जी, लक्ष्मी जी की प्रतिकात्मक मूर्ति दीपावली के पवित्र त्योहार पर निर्माण करवा कर रोजगार देने के क्षेत्र में कार्य कर रही है। समिति का उद्देश्य है इस दीपावली के पावन त्योहार पर 500 महिलाओं के परिवारों में खुशियां लाना। समिति संस्थापक अध्यक्ष श्री मलैया जी शहर के कई हिस्सों में जाकर गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का प्रचार-प्रसार में महती भूमिका निभा रहे हैं। समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है कि किसी भी कार्य की सफलता तभी सुनिश्चित होती है जब वह सही तरीके से क्रियान्वयन करते हुए

भारत ओमान बीना रिफाइनरी में गोबर से बनी पूजन सामग्री का स्टॉल लगाया गया।

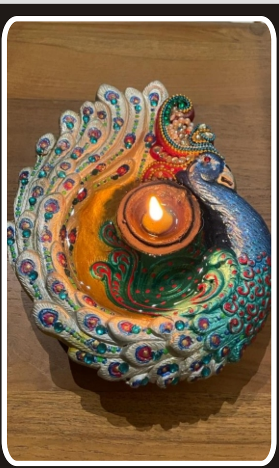

गोबर का दिया पानी में तैरता हुआ।

लोगों के बीच जगह जगह बना सके। हमारा उद्देश्य है इस दीपावली पर हम दियों के माध्यम से स्वरोजगार की दिशा में एवं गौ संरक्षण, संवर्धन मुहिम शुरू कर सकें एवं अगली बार दुगने उत्साह के साथ यह कार्य करें। इसके लिए समिति के समस्त पदाधिकारी एवं सदस्य बधाई के पात्र हैं। समिति मुख्य संगठक नितिन पटैरिया बताते हैं कि गोबर के बने दीपक प्रतिदिन उपयोग करने से घरों में सकारात्मक ऊर्जा का प्रभाव होता है। वातावरण को शुद्ध रखते हुए उपयोग के बाद मिट्टी में डालने पर खाद का कार्य करते हैं। मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने कहा कि आज के व्यवसाय दौर में यह आम समस्या बन गई है कि लोग गाय को तभी तक पालते हैं जब तक वह दुधारू रहती है लेकिन नए अनूठे के उपक्रम के बाद लोग गाय को न सिर्फ दूध के लिए बल्कि गोबर के लिए पालेंगे, इससे गौ संरक्षण, संवर्धन में काफी सहयोग मिलेगा।

समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया गोबर से निर्मित पूजन के लिए स्थानीय स्तर पर औपचारिक रूप से जानकारी दी जा रही है साथ ही ऑनलाइन वेबसाइट की शुरुआत की जा चुकी है। स्टॉल, मेले, समारोह के माध्यम से प्रसारित किये जा रहे हैं।

विचार समिति सहायक टीम के कविता साहू, राहुल अहिरवार, जवाहर दाऊ, राम अहिरवार, विनय चौरसिया, नीलेश पटेल, पूजा प्रजापति, पूजा लोधी आदि टीम लगन एवं निष्ठा के साथ विचार समिति की प्राथमिकताओं को धरातल पर व्यवहारिक रूप दे रहे हैं। यह दीपावली आपके सहयोग से बदलेगी कई परिवारों की तस्वीर। 'हमारा संकल्प–आपका सहयोग' विचार समिति की तरफ से सभी नगर वासियों के लिए दीपावली की ढेरों शुभकामनाएं ।

गोबर से निर्मित पूजन सामग्री के प्रचार प्रसार की झलकियां

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया, मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया एवं विचार सदस्यों ने शहर के प्रतिष्ठानों में भ्रमण कर पूजन किट का प्रचार-प्रसार में निम्न प्रतिष्ठानों ने अपनी सहभागिता सुनिश्चित की।

डॉ. मल्लार मुंबई को पूजन की किट देते हुए कपिल मलैया

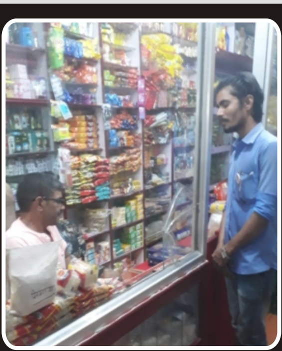

राजेश जैन जी
मुकेश किराना, लिंक रोड, सागर

फर्स्ट क्राय
मकरोनिया, सागर

अंशुल भार्गव जी
भार्गव चश्मा वाले, सिविल लाइन

प्रभु दयाल पटैल जी
ज्योति टाइपिंग सेंटर, सागर

प्रकाश सिंह सोलंकी नेक्सा कस्टमर को पूजन किट उपहार स्वरूप दी गई

भोपाल के जनसंपर्क अधिकारी विचार स्वदेशी उत्पाद केंद्र में आए

टोटल ऑयल डिस्ट्रीब्यूटर, भगवानगंज, सागर

असाटी जी, फर्नीचर शोरूम लिंक रोड, सागर

स्वराज ट्रैक्टर्स
बीना रोड, सागर

बहेरिया हैंडलूम क्लाथ स्टोर्स
गुजराती बाजार, सागर

चंदेरिया सेल्स शोरूम
गुजराती बाजार, सागर

सिंघल मेडिकल
सागर

श्रीनाथ नेमा जी
आकांक्षा ट्रेडर्स, सागर

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया
सागर

भारत बेकरी
परकोटा, सागर

गिरजेश सोनी जी
मकरोनिया, 10वीं बटालियन

बाबी जैन जी, जैन साइकिल
अप्सरा टाकीज, सागर

कमल एण्ड कंपनी
इलेक्ट्रिक शोरूम, सागर

विद्यासागर शापिंग मॉल
तिली रोड, सागर

अजित मलैया जी,
नमक मंडी, सागर

मार्बल हाऊस
गुजराती बाजार, सागर

विभाष केशरवानी जी
जवाहरगंज वार्ड, सागर

शक्ति भंडार,
जवाहरगंज वार्ड, कटरा सागर

कमलेन्द्र जैन जी, अक्षत ऊर्जा शॉप
जवाहरगंज वार्ड, सागर

पंजाब नेशनल बैंक
सागर

चांदनी हार्डवेयर
नमक मंडी, सागर

वीर किराना
नमक मंडी, सागर

राजेश गुप्ता जी
हेवल्स शोरूम, भगवानगंज

विजयंत सिंघई,
सिंघई हार्डवेयर, गेंडा जी काम्पलेक्स

केवी-2 स्कूल
मकरोनिया, सागर

मनोज डेंगरे जी, राजकमल केशरवानी जी
आलोक अग्रवाल जी, भगवानगंज सागर

मधुर अग्रवाल जी,
कृष्णा टाइल्स, सागर

हमारे उत्पादों के क्रेताओं के अनुभव

विचार समिति की यह योजना अच्छी है इसके साथ ही प्राकृतिक उत्पादों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की दिशा में आगे बढ़ सके। सभी इस मुहिम किो आगे बढ़ाने में सहयोगी बन सकें। विचार समिति को साधुवाद-शुभकामनाएं

हिमांशु मिश्रा

आज की भाग दौड़ भरी जिंदगी में हम प्राकृतिक तत्व से बहुत ही दूर होते जा रहे हैं। यह विचार समिति की अच्छी पहल है। इससे प्राकृतिक वातावरण के अनुरूप चीजों का उपयोग करने से सभी के लिए लाभदायक होगा।

कमलेंद्र जैन जी, सागर

गोबर से निर्मित पूजन सामग्री बहुत अच्छी है। पर्यावरण अनुकूल है। यह सागर शहर स्थित विचार समिति की परिकल्पना बहुत सराहनीय है। जिन महिलाओं ने यह दिए बनाए उनके लिए भी बहुत-बहुत शुभकामनाएं बधाई।

संजय अग्रवाल

दीपावली मुख्य रूप से गाय का त्योहार होता है। गोबर से निर्मित पूजन सामग्री और अधिक महत्व बढ़ जाता है। जब हम अपने दोस्तों को पूजा के रूप में भेंट करेंगे। यह काफी अच्छी पहल है। सभी को इस पहल को आगे बढ़ाना चाहिए।

शिवकुमार अग्रवाल

यह सकारात्मक पहल है इससे छोटे तबके के लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा हमारा आत्म निर्भर भारत की ओर बढ़ता हुआ कदम है इस तरह के प्रयास निरंतर होने चाहिए इस मुहिम को आगे बढ़ाने के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए।

सुरेंद्र जैन
मालथौन

गोबर से निर्मित पूजन सामग्री के संबंध मैं यह कहना चाहूंगा कि यह बहुत अच्छी पहल है। मैं अपने ग्राहकों को उपहार स्वरूप भेंट कर रहा हूं। सभी कस्टमर बहुत ही खुश हैं। इस दीपावली अलग से प्राकृतिक दिए मिले। मुझे उम्मीद है अगले वर्ष में दोगुनी मात्रा में दिए लोगों तक पहुंचा पाऊंगा। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष का इस कार्य में सहयोगी बनना बहुत ही अच्छा लगा। सभी को गोबर से निर्मित सामग्री अपनानी चाहिए जिससे हजारों व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा जो नहीं मिल पाता था। विचार समिति का यह कार्य काबिले तारीफ है।

मुकेश साहू श्री राधा कृष्णा रेस्टोरेंट

दीपावली के अवसर पर हम कितनी ही सामग्री विदेशों से आयात करते थे। हमारा धन चला जाता था विचार समिति की यह स्वदेशी उत्पाद बनाने एवं इसे अपनाने की पहल को सफल बनाएं।

शफीक भाई जान

यह अपने आप में अद्‌भुत कार्य है। प्राकृतिक रूप से बहुत ही उपयोगी है। मेरी सभी को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

सोनल सिंघाई विदिशा

यह बहुत अच्छी पहल है। मेरा सुझाव है कि सभी को गाय के गोबर से बने इन दियों का उपयोग करना चाहिए। विचार समिति को बधाई।

डॉ. स्वर्णिमा राधेलिया, कटनी

मेरे लिए विचार समिति से जुड़ना अपने आप में बहुत ही आनंददायक है। विचार समिति शुरू से ही लोक कल्याण के कार्य करती आ रही है और अब गोबर से निर्मित पूजन सामग्री के माध्यम से पर्यावरण, रोजगार, गौ संरक्षण के क्षेत्र में काफी अच्छा कार्य कर रही है। आज के समय में रोजगार सबसे बड़ी समस्या थी। समिति ने महिलाओं को रोजगार मिले बढ़ावा देकर बहुत अच्छा कार्य किया। सभी बधाई के पात्र हैं धन्यवाद।

धवल कुशवाहा

पूजन सामग्री का ऑनलाइन पोर्टल शॉप

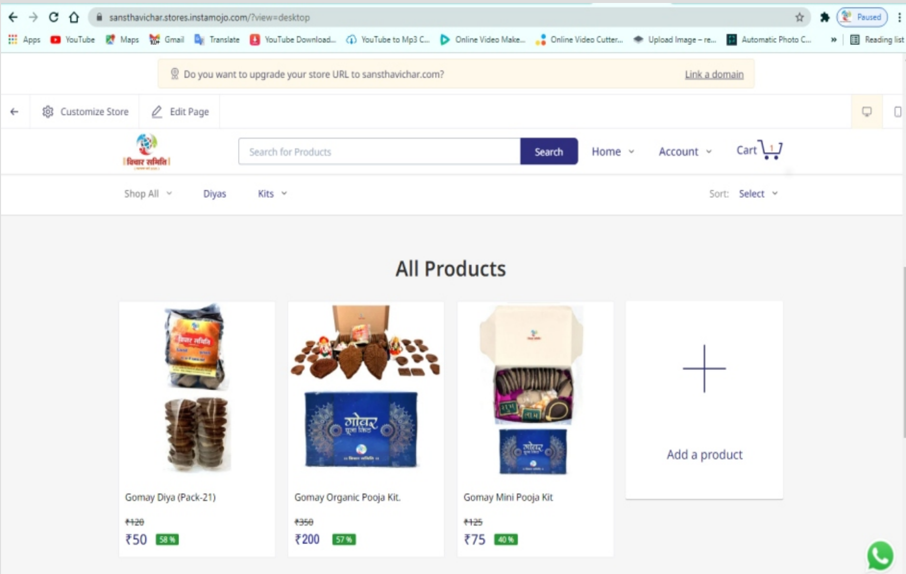

विचार समिति अपनी योजनाओं की प्रगति को निरंतर बढ़ा रही है। अब घर बैठे ही विचार समिति के सभी उत्पादों को प्राप्त किया जाता है। इसके लिए समिति ने ऑनलाइन वेबसाइट की शुरुआत की है। इस दिवाली हमारा उद्देश्य है 500 महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार लाना। इस दीपावली 5,00,000 दिए, ओम, श्री, सात्विक, शुभ लाभ, भगवान गणेश लक्ष्मी जी की प्रतीकात्मक मूर्ति बनाई गई है। हमारा लक्ष्य है पर्यावरण, गौ संरक्षण संवर्धन, रोजगार के नये आयाम बनाये जायें। ऑनलाइन खरीदारी के लिए सबसे पहले आप हमारी वेबसाइट www.vicharsanshta.com पर जाएं एवं उसके पश्चात shop पर क्लिक करें एवं गोबर से निर्मित दिए पैकेट, छोटी किट, बड़ी किट की खरीदारी करें। इस दीपावली पर स्वयं एवं अपनों के जीवन में खुशियां बांटे। आपके सहयोग से मिलेगा कई परिवारों को इस दीपावली खुशियां मनाने का त्योहार ।

इस अवसर पर विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने कहा हम स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य है पूरे देश में एवं विश्व में स्वदेशी उत्पादों की पहुंच बढ़े। इसके लिए ऑनलाइन बिक्री के माध्यम से विचार समिति के सभी उत्पाद खरीदे जा सकते हैं। ऑनलाइन बिक्री की शुरुआत हाल ही में हुई है लेकिन इतने कम समय में विभिन्न शहरों से गोबर से निर्मित पूजन सामग्री के आर्डर प्राप्त हो चुके हैं। बेंगलुरु, हैदराबाद, मुंबई, तिरुचिरापल्ली, मथुरा, राजगढ़, जयपुर, गौतम बुद्ध नगर, नोएडा एवं केंद्र शासित प्रदेश अंडमान निकोबार दीप समूह आदि जगहों से गोबर से निर्मित पूजा सामग्री के आर्डर प्राप्त हो चुके हैं तो आइए हम सब स्वदेशी सामग्री अपनाएं।

अपील : गोबर से निर्मित पूजन सामग्री को अधिक से अधिक घरों में उपयोग करें : नितिन पटैरिया

स्वयं सिद्धा दीपोत्सव प्रदर्शनी भोपाल में स्टॉल का भ्रमण करते हुए विचार टीम।

विचार समिति ने भोपाल में आयोजित स्वयं सिद्धा दीपोत्सव प्रदर्शनी में लघु उद्योग भारती द्वारा सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय भारत सरकार एमएसएमई विकास संस्थान इंदौर के सहयोग से आयोजित प्रदर्शनी में देशी गाय के गोबर से बने उत्पादों में हवनकप , भगवान गणेश लक्ष्मी जी की मूर्ति के साथ शुभ-लाभ, ओम, श्री, स्वास्तिक के साथ दीया पैकेट, छोटी किट, बड़ी किट उत्पादों के साथ समिति ने पांच दिवसीय दिनांक 23 से 27 तक अपनी सहभागिता रखी। स्वयं सिद्धा दीपोत्सव प्रदर्शनी का लक्ष्य है स्थानीय स्तर के उत्पादों को एक मंच प्रदान कर स्वदेशी भारत की विकास यात्रा को आगे बढ़ाएं। विचार समिति इसी उद्देश्य के साथ स्थानीय स्तर पर मोहल्ला विकास योजना एवं स्व सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को रोजगार के अवसर प्रदान करने के साथ उनकी जीवन स्तर में सुधार लाने की दिशा में कार्य कर रही है। इसी

समिति ने पांच लाख दिये बनवाकर 500 महिलाओं को दिया रोजगार

उपलक्ष्य में समिति पांच लाख दिये बनाकर अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना चाहती है। स्वयं सिद्धा दीपोत्सव प्रदर्शनी में विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने एक दिवसीय मेले में भ्रमण कर समिति के स्टॉल की समीक्षा की। साथ ही उन्होंने बताया कि स्वयं सिद्धा दीपोत्सव प्रदर्शनी के माध्यम से गोबर से निर्मित उत्पादों को हम अधिक से अधिक लोगों के बीच जानकारी मुहैया करा सकेंगे।

विचार समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने अवलोकन करते हुए बताया कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के क्षेत्र में महिलाओं को बढ़ावा देने के लिए यह कारगर मंच है। इस तरह के मेले का आयोजन हमें प्रेरणा देता है। हम बहुत ही नई चीजों से जुड़ते हैं, सीखते हैं। समिति के माध्यम से इस दीपावली 500 महिलाओं को रोजगार दिया ताकि वे खुशहाली की ओर लौट आएं।

विचार समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि सच ही कहा गया है कि इतिहास अपने आप को दोहराता है। शायद यही कारण है कि एक बार फिर हम अपनी प्राचीन संस्कृति की तरफ आने लगे हैं। घरों में पुताई से लेकर सौंदर्य सामग्री तक में गोबर का उपयोग एक बार फिर से ही प्रचलन में आ गया है। इतना ही नहीं घरों की सजावट में इन दिनों स्वदेशी उत्पादों का उपयोग बढ़ा है। इस दिवाली हमारा लक्ष्य है। वातावरण अनुकूलित पूजन सामग्री को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाएं। स्वयंसिद्धा दीपोत्सव के माध्यम से यह अच्छा कारगर माध्यम है। उन्होंने सभी से अपील की है कि घरों में गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का अधिक से अधिक मात्रा में उपयोग करें।

विचार समिति मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि विचार टीम अपने वर्तमान प्रकल्प गोबर से दिया एवं विभिन्न सामग्री में उच्च स्तर की गुणवत्ता एवं जन-जन के उपयोग हेतु जो कार्य चला रही है उसमें क्रांतिकारी सुधार हेतु स्वयं सिद्धा हॉट बाजार का यह मंच बहुत ही उपयोगी सिद्ध हुआ। इस मंच में विभिन्न स्टालों पर जो अनुभवी प्रशिक्षकों के माध्यम से रचनात्मक जानकारी प्राप्त हुई उसको विचार टीम ने बहुत गहनता से जाना समझा एवं अपने विकल्पों में भी सुधार हेतु अनुभवों को साझा किया ।

ऐसा प्रतीत हुआ कि गुणवत्ता, लागत, विक्रय मूल्य की दृष्टि से विचार के उत्पाद सर्वोत्तम प्रतीत हुए जिन्हें इस मंच में सहयोगी

स्वयं सिद्धा दीपोत्सव प्रदर्शनी में स्वदेशी वस्तुओं से बनाया गया सेल्फी प्वाइंट।

वेंडरों ने बहुत ही सराहा एवं कुशल टीम के प्रशिक्षण अनुभव को साझा करने का आग्रह किया। ऐसे सामाजिक कार्य को हम सभी स्वरोजगार को बढ़ावा देने के संकल्प हेतु मिलजुल कर करेंगे ऐसा आश्वासन विचार समिति की ओर से दिया गया।

विचार समिति सहायक मनोज राय ने आयोजन के दौरान सभी से अपील की है कि गाय के गोबर से बने स्वदेशी उत्पाद सामग्री का उपयोग करते हुए आत्मनिर्भर भारत की मुहिम को सफल बनाएं।

विचार समिति की सदस्य पूजा लोधी एवं पूजा प्रजापति ने बताया कि गोबर से बने उत्पादों को काफी सराहा गया है। इस प्रदर्शनी के माध्यम से यह सामग्री बहुत से लोगों के उपयोग हेतु खरीदी गई स्थानीय स्तर की महिलाओं का सफल प्रयास है। लोगों ने काफी इच्छा जाहिर की कि गोबर से उत्पादित सामग्री में डेकोरेशन फैशनेबल सामग्री और बनाई जाए।

मैंने पांच दिवसीय आयोजन के दौरान यह अनुभव किया। समिति सदस्य जवाहर दाऊ ने बताया कि अक्सर कई लोगों के मन में यह शंका थी कि गोबर के दिए जल जाएंगे लेकिन इस शंका का लाइव डेमो देकर निदान किया गया।

देशी गाय के गोबर से बने इन दियों में तेल डालने पर बाहर नहीं गिरता। उपयोग होने के पश्चात आप इसका अपने गमले में खाद के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं। हवन से जुड़ी सामग्रियों होने के कारण यह दिया प्रकृति के बिल्कुल अनुकूल होता है और वातावरण को शुद्ध रखता है। विचार समिति सदस्यों ने आयोजन के पश्चात सभी से अपील की है कि स्वदेशी सामग्री का अधकि से अधिक उपयोग करें।

यूपीईएस यूनिवर्सिटी देहरादून में गोमय पूजन किट की प्रदर्शनी

महिलाओं को रोजगार उपलब्ध कराना ही विचार समिति का उद्देश्य है : आकांक्षा

यूपीईएस यूनिवर्सिटी में सचिव आकांक्षा मलैया गोबर से निर्मित सामग्री प्रदर्शित करते हुए।

विचार समिति ने 'दिवाली उत्सव' अवसर पर देशी गाय के गोबर से निर्मित पूजन सामग्री 'दिवाली मेला' देहरादून परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में दो दिवसीय स्टॉल लगाया। इस अवसर पर विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने गोबर से निर्मित सामग्री की जानकारी सभी विद्यार्थियों एवं नागरिकों को दी। साथ ही उन्होंने बताया कि गोबर से निर्मित सामग्री का निर्माण आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं द्वारा किया गया है। समिति का उद्देश्य है कि स्थानीय स्तर पर स्व रोजगार मुहैया करवाया जाए। यह सामग्री प्राकृतिक है, उपयोग के बाद खाद के रूप में गमलों में डाल सकते हैं। विचार सेवक अरविंद अहिरवार भी उपस्थित थे।

उपस्थित विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने गोबर से निर्मित पूजन सामग्री की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस दीपावली गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का पूजा में उपयोग करेंगे साथ ही यह अच्छी स्वदेशी पहल है।

पूर्व में विचार समिति ने यूपीईएस के 22 छात्रों को अगस्त 2021 में इंटर्नशिप करवाई थी। इसका शुभारंभ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री श्री तीरथ सिंह रावत ने किया था। इस इंटरशिप का नाम सृजन था जो कि यूपीईएस यूनिवर्सिटी के स्कूल फॉर लाइफ के अंतर्गत आती है। इसमें कुशल मार्गदर्शन के अधीन 22 छात्रों द्वारा शिक्षा, पर्यावरण, रोजगार एवं स्वास्थ्य संबंधित क्षेत्रों पर कार्य किया गया था। इस प्रकार विचार समिति देश भर में युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान करने की मुहिम पर कार्यरत है।

पिंक बाजार में स्थानीय स्वदेशी वस्तुओं को आगे लाने का अच्छा अवसर : सुनीता अरिहंत

तीन दिवसीय पिंक बाजार की समाप्ति पर प्रमाण पत्र प्राप्त करतीं हुई समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत

अटल पार्क में तीन दिवसीय 'पिंक सागर क्लब' द्वारा आयोजित पिंक बाजार या परी बाजार में विचार समिति ने गोबर से निर्मित पूजन सामग्री के साथ सहभागिता रखी। परी बाजार के माध्यम से महिलाओं के हुनर को रूबरू करा कर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश करना इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य रहा। शहर वासियों के लिए साहित्य, संस्कृति, संगीत, फैशन एवं खाने-पीने की चीजों की व्यवस्था की गई थी। पिंक बाजार के फाउंडर शुभम श्रीवास्तव बताते हैं कि हमारा उद्देश्य है कि स्थानीय स्तर की महिलाओं द्वारा स्वदेशी निर्मित सामग्री को लोगों के जीवन में शामिल करना साथ ही मंच बाजार के माध्यम से स्व सहायता समूह में महिलाओं द्वारा बनाए गए उत्पादों को बढ़ावा देना है हमने प्रचार-प्रसार के माध्यम से काफी प्रयास किया शहर के सभी लोगों का इसमें भरपूर सहयोग मिला

समिति कार्यकारिणी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत बताती हैं गोबर से निर्मित सामग्री को लोगों ने काफी सराहा है हम लोग जागरूक करने के साथ उनके व्यवहारिक जीवन में प्राकृतिक वस्तुओं के उपयोग पर परी बाजार के माध्यम से स्थानीय स्वदेशी वस्तुओं को आगे लाने का बहुत अच्छा अवसर है सभी का बहुत-बहुत आभार। मेरी सभी से यही अपील होगी इस तरह के आयोजन शासन द्वारा किए

परी बाजार में गोबर से निर्मित पूजन सामग्री के साथ सफल सहभागिता

जाते रहे एवं जनता को इस तरह की सामग्री का उपयोग करना चाहिए।

ज्योति सराफ विचार सहायक ने तीन दिवसीय पिंक बाजार के बारे में बताया कि सभी ने गोबर से निर्मित पूजन सामग्री को काफी पसंद किया। काफी लोगों के मन में यह शंका थी कि गोबर से बने होने के कारण दिए जल जाएंगे। समिति सदस्यों ने उन्हें यह लाइफ टेस्टिंग के माध्यम से शंका का निदान किया, साथ ही एक दिए को कई बार उपयोग किया जा सकता है। उपयोग पश्चात खाद के रूप में गमलों में उपयोग किया जा सकता है

क्रेताओं के अनुभव

समिति का गोबर के सामान का स्टाल निश्चित ही ग्रामीण क्षेत्र के लिए व्यवसाय और इसकी आजीविका चलाने का अच्छा माध्यम बन सकता है इसका प्रचार प्रसार किया जाना चाहिए।

मुकेश गीता जी, सागर

बहुत ही नेक कार्य किया गया है। बहुत ही उचित प्रयोग किया गया है। प्राकृतिक वस्तुओं का जो कि पर्यावरण की सुरक्षा के लिए सही तरीके का प्रयोग है। इस कार्य को हमेशा जारी रखें। निरंतरता लोगों को जागरूक बनाएगी।

सरिता जैन, शिक्षक लक्ष्मीपुरा

बहुत ही अच्छा प्रयास है जो प्राकृतिक चीजों का सदुपयोग करके घर-घर पहुंचाया जा रहा है। विचार समिति को साधुवाद देती हूं। इन के माध्यम से अनेक महिलाओं ने मिलकर उत्कृष्ट कार्य किया।

ममता जैन प्रांतीय संगठन सचिव
अ.भा.दि. जैन परिषद

गोबर से निर्मित सामग्री बहुत ही सुंदर है। विचार समिति की सभी टीम को बहुत-बहुत शुभ कार्य के लिए शुभकामनाएं। गोबर से बनाई गई सभी प्रकार की पूजन सामग्री बहुत ही अच्छी है। कपिल भैया के निर्देशन से आप सभी का कार्य काफी महान है।

राहुल जैन

गोबर से बनी सभी सामग्री बहुत ही लाजवाब शानदार हैं। हमारी उन सभी महिलाओं के जज्बे को सलाम, जो इतनी मेहनत से सभी कुछ बनाया है। मैं विचार समिति टीम को नमन करती हूं।

प्रीति केशरवानी

आप सभी की मेहनत को सलाम है। आप सभी ने प्रकृति की सुरक्षा का ध्यान रखा है। सभी सामग्री बहुत अच्छी है, सुंदर है। आप महिलाओं का जज्बा बहुत ही लाजवाब है आपने सभी महिलाओं को मैसेज दिया है कि महिलाएं हर कुछ कार्य कर सकती हैं।

पायल पटेरिया

बहुत ही अच्छी व पवित्र पूजा सामग्री है। गोबर से बना हुआ सामान बहुत ही आनंदित करता है धन्यवाद।

सोनम गुप्ता

विचार समिति ने शहर में खुशहाली के लिए लगाए 16 कल्पवृक्ष

कल्पवृक्ष लगाती हुई विचार समिति की समन्वयक सरिता गुरू दीदी।

विचार समिति ने शहर में अलग-अलग स्थानों पर सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए 16 कल्पवृक्ष लगाए। समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि वेद और पुराणों में कल्पवृक्ष का उल्लेख मिलता है। कल्पवृक्ष स्वर्ग का एक विशेष वृक्ष है। पौराणिक धर्म ग्रंथों और हिंदू मान्यताओं के अनुसार यह माना जाता है कि इस वृक्ष के समीप खड़े होकर व्यक्ति जो भी इच्छा करता है वह पूर्ण हो जाती है क्योंकि वृक्ष में अपार सकारात्मक ऊर्जा होती है। यह वृक्ष जहां भी अधिक पाया जाता है वहां सूखा नहीं पड़ता। यह रोगाणुओं का डटकर मुकाबला करता है। इसकी खासियत है कि यह कीट पतंगों को यह अपने पास भटकने नहीं देता और दूर-दूर तक प्रदूषण को समाप्त कर देता है। इसी उद्देश्य से विचार समिति ने शहर में 16 कल्पवृक्ष अलग-अलग स्थानों

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कल्पवृक्ष से होती है हर मनोकामना पूरी : कपिल मलैया

कल्पवृक्ष लगाते हुए विद्युत मंडल के कर्मचारी, समिति के सहायक अशोक खरे, मुख्य संगठक नितिन पटैरिया व विचार सेवक शालकराम रैकवार।

पर लगवाए हैं।

समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने बताया कि पौराणिक मान्यताओं के साथ-साथ कल्पवृक्ष का आध्यात्मिक महत्व भी है। हम जो कार्य करते हैं वह हमारे मन की मूल भावना से है, पहले वह हमारे मन में था फिर वह बाहरी दुनिया में बना। इस धरती पर जो भी हमने अच्छी चीजें या भयानक दोनों चीजें मनुष्य की देन है। जरूरी है इस संसार को अच्छी चीजें एवं संवेदनाओं से जोड़ा जाए।

समिति ने परेड मंदिर, गढ़पहरा मंदिर, बालाजी मंदिर, बाघराज मंदिर, ठाकुर बाबा मंदिर, पहलवान बब्बा मंदिर, दादा दरवार, भूतेश्वर मंदिर, थाना कैंट, थाना सिविल लाइन, महिला थाना, थाना मोतीनगर, 29 नं. गेट, बीएमसी आदि स्थानों पर कल्पवृक्ष लगाए गए हैं।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 15 वीं वर्षगांठ **बढ़ता-बदलता बुंदेलखंड** सागर, गुरुवार, 14 अक्टूबर 2021 | 31

इम्पैक्ट फीचर

विचार कार्यालय में गोबर से बने दियों को रंग-रोगन करते हुए विचार सेवक।

अनूठी पहल • विचार समिति तैयार करवा रही गोबर से निर्मित दीपावली पूजन सामग्री

॥ विचार समिति ॥
(स्थापना वर्ष 2003)

स्व सहायता समूह की महिलाओं एवं मोहल्ला विकास योजना की टीमों को मिल रहा है रोजगार

॥ गोमय वसते लक्ष्मी ॥

धार्मिक ग्रंथों में कहा गया है - गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास होता है

गोबर से निर्मित ओम, श्री, स्वास्तिक, शुभ-लाभ, भगवान गणेश की मूर्ति, माता लक्ष्मी जी की मूर्ति, दिए छोटे एवं बड़े, सामरानी कप आदि उत्पाद सामग्री बनाई जा रही हैं

गोबर से निर्मित दिया का निर्माण करती महिलाएं

विचार समिति 17 वर्षों से सागर सुधार- सागर विकास पर निरंतर अपनी सेवाएं दे रही है : कपिल मलैया

गाय के गोबर में लक्ष्मी का वास माना गया है। इसलिए हवन-पूजन धार्मिक अनुष्ठानों के लिए गाय के गोबर का उपयोग सर्वोत्तम बताया गया है। लक्ष्मी पूजन गाय के गोबर से बने हुए दीपक, मूर्तियां, ओम, श्री, स्वास्तिक चिन्हों से घर में सुख, समृद्धि का वातावरण निर्मित होता है। गोबर से बने शुभ-लाभ एवं श्री आंगन में गोबर का लेपन करने से रेडिएशन एवं वायरस बैक्टीरिया घर में प्रवेश नहीं करते। वैज्ञानिक शोधों के आधार पर अनेक चर्म रोग, गाय के गोबर एवं गौमूत्र से ठीक होते हैं। गोबर की बनी सामग्री बनाने का उद्देश्य लोगों के जीवन में सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करना तथा रोजगार एवं पर्यावरण, गौ संरक्षण को बढ़ावा देना है।

विचार समिति के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि समिति पिछले 17 वर्षों से सागर सुधार- सागर विकास पर निरंतर अपनी सेवाएं दे रही है जिसमें शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, रोजगार, जैविक खेती के माध्यम से बुंदेलखंड के विकास को प्रतिबद्ध है। प्रकल्पों में रोजगार के क्षेत्र में समिति द्वारा यह अनूठी पहल शुरू की गई है जिसमें गोबर से निर्मित उत्पादों की शुरुआत कर ओम, श्री, स्वास्तिक, शुभ-लाभ, भगवान गणेश की मूर्ति, माता लक्ष्मी जी की मूर्ति, दिए छोटे एवं बड़े, सामरानी कप आदि उत्पाद सामग्री बनाई जा रही है।

धार्मिक ग्रंथों में गोबर से बनी पूजन सामग्री का विशिष्ट स्थान - नितिन पटैरिया

समिति के मुख्य संगठक नितिन पटैरिया ने कहा कि धार्मिक ग्रंथों में गोबर से बनी पूजन सामग्री का विशिष्ट स्थान एवं महत्व बताया गया है। कहते हैं जो पूजन के समय गोबर से निर्मित सामग्री का प्रयोग करता है उस घर में रिद्धि, सिद्धि के साथ साक्षात् मां लक्ष्मी स्वयं निवास करतीं हैं।

निर्माण विधि : रतौना गांव स्थित दयोदय गौशाला से गाय का शुद्ध उत्तम गोबर मंगवा कर, इसे सुखा कर आधुनिक पलप्लाइजर मशीनों की मदद से महीन बारीक पिसवाकर, प्रीमिक्स मिलाकर, अल्प मात्रा में मिट्टी मिलाकर पैकेट बनाए जा रहे हैं।

नागपुर के गौ विज्ञान केंद्र से टीम ने लिया था प्रशिक्षण : विचार समिति की टीम ने नागपुर स्थित स्वानंद गौ विज्ञान अनुसंधान केंद्र जाकर गोबर से निर्माण सामग्री का 1 सप्ताह का प्रशिक्षण लिया था। प्रशिक्षण उपरांत विचार टीम ने मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों की महिलाओं एवं स्व सहायता समूह की महिलाओं को प्रशिक्षित कर गोबर से बने पैकेट प्रदान किए। सामग्री निर्माण कार्य की विधि भी उन्हें समझाई गई।

पूजन किट का विवरण : पूजन सामग्री को तीन भागों में रखा गया है बड़ी किट, छोटी किट एवं दिया पैकेट

बड़ी किट : इस किट में 21 दिए, बड़ा दिया, शुभ-लाभ पानपत्ता, शुभ-लाभ बिस्किट, ओम, श्री, स्वास्तिक, फूलवाती एवं भगवान गणेश जी लक्ष्मी जी की मूर्ति, साम्मरानी कप, हल्दी, रोरी और चावल आदि शामिल है।

सहयोग राशि : 201 रुपये।

छोटी किट : इस किट में 16 दिए, एक बड़ा दिया, सामरानी कप, दियाबाती, हल्दी, रोरी और चावल आदि शामिल है।

सहयोग राशि : 75 रुपये।

दिया पैकेट : 21 दिए, दीयाबाती शामिल है।

सहयोग राशि : 51 रुपये।

समिति ने बनाए थे गोबर के गणेश

देशभर में जहां ईको फ्रेंडली (मिट्टी के गणेश) की प्रतिमाएं स्थापित करने का चलन बढ़ रहा है। वहीं सागर में पर्यावरण प्रदूषण रोकने के लिए गोबर के गणेश की प्रतिमाएं बन रही हैं। यह पहल शहर की विचार समिति द्वारा शुरू की गई थी। इस पहल से महिलाएं घर बैठे एक दिन में तीन से चार गणेश प्रतिमाएं बनाकर 250 रुपए तक कमा रही थीं। अभियान का उद्देश्य पर्यावरण, गौमाता का संरक्षण एवं बेरोजगार महिलाओं को रोजगार देना था।

गौ संरक्षण, रोजगार, पर्यावरण के प्रति विचार समिति की अनूठी पहल : कलेक्टर दीपक आर्य

विचार समिति की मोहल्ला विकास से जुड़ी महिलाओं एवं विचार स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा तैयार की जा रही गोबर से निर्मित दीपावली पूजन किट का विमोचन सागर कलेक्टर दीपक आर्य द्वारा किया गया। विचार समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने इस शुभ अवसर पर कहा कि समिति द्वारा चलाए जा रहे इस प्रकल्प का मुख्य उद्देश्य गौमाता का संरक्षण एवं महिलाओं को रोजगार की दिशा में जोड़ना है। इस प्रोजेक्ट में समिति 125 टीमों एवं 18 स्व सहायता समूहों के साथ कार्य कर रही है।

मीडिया प्रभारी अखिलेश समैया ने बताया कि आज से ही 6 से अधिक बिक्री केंद्रों के माध्यम से गोबर से बनाई हुई दीपावली पूजन किटों का विक्रय प्रारंभ हो जाएगा जिनसे आने वाली राशि को विचार स्व सहायता समूह एवं मोहल्ला विकास टीमों की महिलाओं को प्रदान किया जाएगा। शहर के हृदय स्थल जवाहरगंज वार्ड में विचार समिति का प्रदर्श भी बनाया गया है जहां से विक्रय प्रारंभ कर दिया गया है साथ ही साथ तिलकगंज वार्ड, सिविल लाईन, मकरोनिया, तिली वार्ड में भी विचार सहायक के मार्गदर्शन में आज से ही विक्रय प्रारंभ किया जा रहा है।

समिति उपाध्यक्ष सौरभ रांधेलिया ने बताया कि गोबर से निर्मित सामग्री के प्रति लोगों में बढ़-चढ़कर उत्साह देखने को मिल रहा है। अभी से मुंबई, पुणे, दिल्ली आदि शहरों से आर्डर मिलने शुरू हो चुके हैं। गोबर से निर्मित पूजन की सामग्री से वातावरण प्रदूषित नहीं होता कहते हुए समिति कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत द्वारा आभार व्यक्त किया गया।

बिक्री केंद्र : गोबर से निर्मित पूजन किट आप निम्न स्थान से प्राप्त कर सकते हैं। 1. विचार कार्यालय, 258/1, मालगोदाम रोड, तिलकगंज वार्ड, आदिनाथ कार्स प्रा.लि. के पीछे, सागर, 2. जवाहरगंज वार्ड, होटल मिड सिटी के बाजू से, कटरा बाजार, सागर, संपर्क : मो. नं. 9575737475, 07582-224488

मियावाकी पद्धति से 3 माह पूर्व लगाए गये पौधे 6-8 फीट के हुए

मंगलगिरी में मियावाकी वन राजेश मलैया डॉ. शैफाली मलैया ने अपनी माताजी श्रीमति आशारानी मलैया जी की स्मृति में समर्पित किया

शहर में 100 से अधिक स्मृति वन बनें : कपिल मलैया

विचार समिति अध्यक्ष कपिल मलैया का कहना है कि हम चाहते हैं शहर में इस तरह के 100 से अधिक स्मृति वन बनें जिससे बुजुर्गों की याद बनी रहेगी व पर्यावरण हराभरा होगा। मंगलगिरी स्याद्वाद ट्रस्ट का हमें हमेशा सहयोग मिलता है जिससे आज इस क्षेत्र में 9000 के लगभग पेड़ हो गए हैं।

3 माह पूर्व विचार समिति ने मंगलगिरी में स्व. श्रीमति आशारानी मलैया की स्मृति में मियावाकी पद्धति से आशा वन लगाया था। पौधों में वृद्धि के निरीक्षण हेतु औपचारिक भ्रमण में समिति संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि मियावाकी पद्धति से 1500 पौधे लगाए गए थे। आज इनकी वृद्धि 6 से 8 फीट पहुंच गई। इन पौधों के लिए गोबर खाद, केंचुआ खाद, जैविक खादों तथा सागर के तालाब की मिट्टी का उपयोग किया गया था। हमारा प्रयास रहेगा इस तरह के वनों की वृद्धि की जाए। सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि सागर शहर का यह दूसरा मियावाकी वन है। इतने कम समय में वन में काफी वृद्धि हुई है। यह हमारा पर्यावरण के प्रति सकारात्मक प्रयास है।

मंगलगिरी मियावाकी में जमीन को 3 से 4 फीट खोदकर उसमें सागर तालाब की मिट्टी डाली गई थी साथ ही जैविक खाद व 12 ट्राली गोबर खाद डाला गया है। इसके ऊपर धान की भूसी डाली गई थी। 30 किस्म के स्थानीय पेड़ लगाये गए हैं। यह मियावाकी वन श्री राजेश मलैया डॉ. शैफाली मलैया ने अपनी माताजी श्रीमति आशारानी मलैया जी की स्मृति में समर्पित किया है जिसका संपूर्ण खर्चा वह वहन कर रहे हैं। स्व. श्रीमति आशारानी मलैया जी ने अपने जीवनकाल में लाखों वृक्ष लगवाये व अनगिनत लोगों को वृक्षारोपण, बागवानी की प्रेरणा दी।

मंगलगिरी में मियावाकी पद्धति से लगाए गए पौधों का निरीक्षण करते कपिल मलैया, डॉ. शैफाली मलैया, आकांक्षा मलैया।

स्वतंत्रता दिवस पर 1133 जगह विचार समिति ने झंडावंदन किया

आकर्षक प्रस्तुति देने वाले 51 परिवार के 150 बच्चों का सम्मान किया

विचार समिति ने 15 अगस्त को किए गए झंडावंदन कार्यक्रम का सम्मान समारोह आयोजित किया। इसमें नगवासियों ने सहभागिता रखते हुए 1133 जगह झंडावंदन किया था। आयोजन समिति ने कार्यक्रम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों में सबसे सुसज्जित और आकर्षक प्रस्तुतियां देने वालों को एक मंच प्रदान कर सम्मान कार्यक्रम होना निश्चित किया था। आज उसी को लेकर चयनित प्रतिभागियों में शामिल 51 परिवारों के 150 बच्चों का सम्मान समारोह कार्यक्रम जवाहर गंज वार्ड के मलैया परिसर में रखा गया। जिसमें बच्चों को सर्टिफिकेट और मेडल से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में विचार संस्था के संस्थापक अध्यक्ष कपिल मलैया ने बताया कि बहुत सारे लोगों के मन में दबी इच्छा रहती है कभी हमको भी झंडावंदन करने का मौका मिले। यही मौका आपको मिले, इस सोच के साथ विचार समिति ने झंडावंदन करने का निर्णय लिया था। श्री मलैया ने राष्ट्रीय ध्वज में रंगों के मायने और महत्व बताते हुए कहा कि केसरिया रंग बलिदान तथा त्याग का प्रतीक है, साथ ही अध्यात्मिक दृष्टी से यह हिन्दु, बौद्ध तथा जैन जैसे अन्य धर्मों के लिए आस्था का प्रतीक है। सफेद रंग शान्ति का प्रतीक है तथा दर्शन शास्त्र के अनुसार सफेद रंग स्वच्छता तथा ईमानदारी का प्रतीक है। हरा रंग खुशहाली और प्रगति का प्रतीक है तथा हरा रंग बिमारीयों को दूर रखता है आखों को सुकून देता है। समिति की कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि सम्मान पाने वालों की खुशी देखकर मन प्रफुल्लित हो गया। ऐसा लग रहा है कि हर वर्ष समिति द्वारा 1100 नहीं 11000 जगह झंडा वंदन किया जाए।

मीडिया कवरेज

दैनिक भास्कर सागर 30-10-2021

ईको फ्रेंडली दीवाली • महिलाओं को रोजगार मुहैया कराना ही विचार समिति का उद्देश्य है: आकांक्षा

विचार समिति ने देहरादून की यूपीईएस यूनिवर्सिटी में लगाया गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का स्टॉल

भास्कर संवाददाता | सागर

देहरादून की यूपीईएस यूनिवर्सिटी में विचार समिति ने दिवाली उत्सव पर गाय के गोबर से बनी पूजन सामग्री का दो दिवसीय स्टॉल लगाया। समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने बताया कि गोबर से बनी सामग्री का निर्माण आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं द्वारा किया गया है। समिति का उद्देश्य है कि स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार उपलब्ध करवाया जाए। यह सामग्री प्राकृतिक है। इसे उपयोग के बाद खाद के रूप में गमलों में डाल सकते हैं। इस दीपावली पर गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का उपयोग करें जो एक अच्छी स्वदेशी पहल है। गौरतलब है कि पूर्व में विचार समिति ने यूपीईएस यूनिवर्सिटी के 22 छात्रों को अगस्त 2021 में इंटर्नशिप करवाई थी। जिसका शुभारंभ उत्तराखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने किया था। इस इंटर्नशिप का नाम सृजन था जो कि यूपीईएस यूनिवर्सिटी के स्कूल फॉर लाइफ के तहत आती है। इसमें छात्रों ने शिक्षा, पर्यावरण, रोजगार एवं स्वास्थ्य संबंधित क्षेत्रों पर काम किया था। विचार संस्था द्वारा सागर जिले में कई महिलाओं को रोजगार दिया गया।

सागर। विचार समिति ने देहरादून की यूपीईएस यूनिवर्सिटी में लगाया स्टॉल।

आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं को रोजगार मुहैया कराना ही विचार समिति का उद्देश्य है

देहरादून की यूपीईएस यूनिवर्सिटी में लगाया गोबर से निर्मित सामग्री का स्टॉल

सागर, आचरण संवाददाता।

विचार समिति ने दिवाली उत्सव अवसर पर देशी गाय के गोबर से निर्मित पूजन सामग्री दिवाली मेला देहरादून परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में दो दिवसीय स्टॉल लगाया। इस अवसर पर विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने गोबर से निर्मित सामग्री की जानकारी सभी विद्यार्थियों एवं नागरिकों को दी, साथ ही उन्होंने बताया कि गोबर से निर्मित सामग्री का निर्माण आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं द्वारा किया गया है। समिति का उद्देश्य है कि स्थानीय स्तर पर स्व रोजगार मुहैया करवाया जाए। यह सामग्री प्राकृतिक है, उपयोग के बाद खाद के रूप में गमलों में डाल सकते हैं। विचार सेवक अरविंद अहिरवार भी उपस्थित थे। उपस्थित विद्यार्थियों एवं नागरिकों ने गोबर से निर्मित पूजन सामग्री की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस दीपावली गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का पूजा में उपयोग करेंगे साथ ही यह अच्छी स्वदेशी पहल है। पूर्व में विचार समिति ने यूपीईएस के 22 छात्रों को अगस्त 2021 में इंटर्नशिप करवाई थी। इसका शुभारंभ उत्तराखंड के मुख्यमंत्री तीरथ सिह रावत ने किया था। इस इंटरशिप का नाम सृजन था जो कि यूपीईएस यूनिवर्सिटी के स्कूल फॉर लाइफ के अंतर्गत आती है। इसमें कुशल मार्गदर्शन के अधीन 22 छात्रों द्वारा शिक्षा, पर्यावरण, रोजगार एवं स्वास्थ्य संबंधित क्षेत्रों पर कार्य किया गया था। इस प्रकार विचार समिति देश भर में युवाओं को मार्गदर्शन प्रदान करने की मुहिम पर कार्यरत है।

देहरादून की यूपीईएस यूनिवर्सिटी में लगाया गोबर से निर्मित पूजन सामग्री का स्टॉल

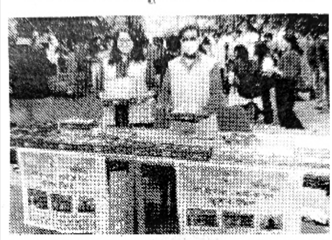

सागर, देशबन्धु। विचार समिति ने दिवाली उत्सव अवसर पर देशी गाय के गोबर से निर्मित पूजन सामग्री दिवाली मेला देहरादून परिसर में आयोजित प्रदर्शनी में दो दिवसीय स्टॉल लगाया। इस अवसर पर विचार समिति सचिव आकांक्षा मलैया ने गोबर से निर्मित सामग्री की जानकारी सभी विद्यार्थियों एवं नागरिकों को दी साथ ही उन्होंने बताया कि गोबर से निर्मित सामग्री का निर्माण आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं द्वारा किया गया है। समिति का उद्देश्य है कि स्थानीय स्तर पर स्व रोजगार मुहैया करवाया जाए। यह सामग्री प्राकृतिक है, उपयोग के बाद खाद के रूप में गमलों में डाल सकते हैं।

॥ विचार समिति ॥

(स्थापना वर्ष 2003)

निवेदन

आपसे निवेदन है कि अधिक से अधिक मात्रा में दान देकर इस मुहिम को आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

दान राशि बैंक खाते में डालने हेतु जानकारी इस प्रकार है।

Bank a/c name- VicharSamiti

Bank- State Bank of India

Account No.- 37941791894

IFSC code- SBIN0000475

Paytm/ Phonepe/ Googlepay/ upi

आदि दान करने के लिए नीचे दिए गए

QR कोड को स्कैन करें.

BHIM | UPI

VICHAR SAMITI

Pay With Any App

G Pay Paytm PhonePe WhatsApp amazon

150+ Apps

Powered By BharatPe

- संपर्क -

Website : vicharsanstha.com

Facebook : Vichar Sanstha

Youtube : Vichar Samachar

Ph. No. : 9575737475, 9009780042, 07582-224488

Address : 258/1, Malgodam Road, Tilakganj Ward, Behind Adinath Cars Pvt. Ltd, Sagar (M.P.) 470002